



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 25 फरवरी, 2002/6 फाल्गुन, 1923

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला (हि० प्र०)

कार्यालय आदेश

धर्मशाला, 16 फरवरी, 2002

संख्या पंच-के० जी० आर० ई०-(11) 12/91-1195.—चूंकि उपायुक्त, कांगड़ा स्थित धर्मशाला के पत्र संख्या 2024/आर० डी० वी, दिनांक 24 दिसम्बर, 2001 के अन्तर्गत प्राप्त अभिलेखों के अनुसार प्राथमिक पाठशाला भवन बगली के निर्माण कार्य की जांच/निरीक्षण नगर परिषद् धर्मशाला के अभियन्ता द्वारा की गई है, जिसके दृष्टिगत निर्माण कार्य में अनियमितताएँ पाई गई हैं;

और चूंकि प्राथमिक पाठशाला भवन बगली के निर्माण हेतु मु० 80,000/- रुपये स्वीकृत हुये हैं, जिसके निर्माण कार्य का अनुबन्ध, श्रीमती शालीनी चौधरी, प्रधान, ग्राम पंचायत बगली, विकास खण्ड कांगड़ा द्वारा खण्ड विकास अधिकारी, कांगड़ा से किया गया है;

और चूंकि उक्त पाठशाला भवन के निर्माण की नींव स्टैंडर्ड डिजाइन के अनुसार  $2\frac{1}{2}' \times 2\frac{1}{2}'$  तथा 1:6 के अनुपात में बनाई जानी चाहिए थी और कमरे का साईज  $18' \times 14'$  तथा इसके आगे बरामदा  $7'$  चौड़ा और इसमें पिलर  $15'' \times 15''$  तथा सीमेंट 1:4 के अनुपात में निर्मित किये जाने वांछित थे, परन्तु उक्त श्रीमती शालीनी चौधरी, प्रधान, द्वारा निर्माण करवाये जा रहे कमरे का साईज  $15' \times 14'$  है और बरामदा  $8'$  चौड़ा है जिसमें ईटों

के पिलर 9"×9" सीमेंट से 1:5 के अनुपात में लगवाये गये, जो कि कमरे की पूर्ति से पहले ही गिर गये जिससे क्षति हुई है और यह उक्त प्रधान की लापरवाही का प्रतीक है।

और चूंकि उक्त प्रधान द्वारा प्राथमिक पाठशाला बगली के भवन निर्माण का कार्य निर्धारित डिजाईन के अनुसार नहीं करवाया गया और न ही कनिष्ठ अभियन्ता से तकनीकी मार्गदर्शन यथासमय प्राप्त किया गया और इस प्रकार उपरोक्त प्रधान अपने कर्तव्यों का निष्पादन करने में असमर्थ रही है;

और चूंकि उक्त श्रीमती शालीनी चौधरी, प्रधान, ग्राम पंचायत, बगली को अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने हेतु इस कार्यालय के ज्ञापन संख्या पंच-के0 जीआर0-ई-(11)-12/91-8510, तिथि 28 दिसम्बर, 2001 द्वारा नोटिस दिया गया था जिसका उत्तर उन्होंने पत्र दिनांक 2-1-2002 के अनुसार प्रस्तुत किया है, परन्तु संवीक्षा करने पर यह तर्कसंगत एवं सन्तोषजनक नहीं पाया गया है।

अतः मैं, एस0 आर0 शर्मा, जिला पंचायत अधिकारी, कांगड़ा स्थित धर्मशाला, श्रीमती शालीनी देवी चौधरी, प्रधान, ग्राम पंचायत बगली को हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145 (1) (ख) व (2) जिसे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 142 (1) (क) के अधीन पढ़ा जाये, तुरन्त प्रधान पद से निलम्बित करता हूं तथा यह आदेश देता हूं कि उक्त नियम के उप-नियम (3) के अन्तर्गत प्रधान की निलम्बनावधि में उप-प्रधान, ग्राम पंचायत बगली द्वारा प्रधान पद के समस्त कार्यों तथा शक्तियों का प्रयोग किया जाएगा।

एस0 आर0 शर्मा,  
जिला पंचायत अधिकारी,  
कांगड़ा स्थित धर्मशाला (हि0 प्र0)।

कार्यालय उपायुक्त, मण्डी, जिना मण्डी, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

मण्डी, 6 फरवरी, 2002

संख्या पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0-2001-474-481.—यतः श्री राम लाल, प्रधान, ग्राम पंचायत जैहमत, विकास खण्ड गोपालपुर को इस कार्यालय द्वारा क्रमांक संख्या पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0-2001-4153-58, दिनांक 13-12-2001 के अन्तर्गत कारण बताओ नोटिस दिया गया था। जिसमें उक्त श्री राम लाल, प्रधान, ग्राम पंचायत जैहमत, विकास खण्ड गोपालपुर को यह निर्देश दिया गया था कि वह 15 दिन के भीतर-भीतर कारण बताएं कि क्यों न उन पर लगाए गए दोष के आधार पर उन्हें हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ग) व 122 (2) के अन्तर्गत प्रधान पद से अयोग्य घोषित किया जाए;

तथा यह कि उक्त श्री राम लाल, प्रधान, ग्राम पंचायत जैहमत, विकास खण्ड गोपालपुर ने अपने उत्तर दिनांक 7-1-2002 में अपने ऊपर लगाए गए दोषों के सम्बन्ध में यह व्यक्त किया है कि उन्होंने उप-मण्डल अधिकारी (ना0), सरकाघाट के न्यायालय के फैसले के विरुद्ध अपील की है।

तथा यह कि इस कार्यालय के नोटिस संख्या पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0-2001-322, दिनांक 23 जनवरी, 2002 के अन्तर्गत उक्त प्रधान को पुनः लिखा गया कि वे इस कार्यालय को सात दिनों के भीतर-भीतर यह सूचित करें कि उन्होंने उप-मण्डल अधिकारी (ना0), सरकाघाट के फैसले को कौन से अधिकार सम्पन्न न्यायालय में और किस दिनांक को अपील कर रखी है और क्या माननीय न्यायालय द्वारा पूर्व आदेश पर स्थगनादेश जारी किए हैं।

और यह कि उक्त प्रधान ने उपरोक्त नोटिस की समावधि समाप्त होने पर भी उत्तर अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में प्राप्त नहीं हुआ है, जिससे यह प्रतीत होता है कि प्रधान ग्राम पंचायत को अपने पक्ष में स्थिति स्पष्ट करने हेतु कुछ नहीं कहना है तथा वह अपने इस कथन की पुष्टि हेतु पुष्ट प्रमाण प्रस्तुत करने में असफल रहे हैं कि उनके द्वारा उप-मण्डल अधिकारी के आदेशों को चुनौती देते हुए अपील अधिकार सम्पन्न न्यायालय में दायर की है।

तथा यह कि ऊपरवर्णित तथ्यों के प्रकाश में श्री राम लाल, प्रधान, ग्राम पंचायत जैहमत, विकास खण्ड गोपालपुर का प्रधान पद पर पदासीन रहना हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 में उदरित प्रावधानों के प्रतिकूल होगा।

अतः मैं, जगदीश चन्द्र शर्मा (भा0 प्र0 से0), उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझ में हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (अधिनियम संख्यांक 4) की धारा 122 (1) (ग) व 122 (2) में निहित है, मैं, श्री राम लाल, प्रधान, ग्राम पंचायत जैहमत, विकास खण्ड गोपालपुर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश को तत्काल प्रधान पद पर बने रहने के अयोग्य घोषित करता हूँ तथा धारा 131 (1) ब (2) के प्रावधान के अनुसार ग्राम पंचायत जैहमत, विकास खण्ड गोपालपुर में प्रधान का पद रिक्त घोषित करता हूँ।

जगदीश चन्द्र शर्मा,  
उपायुक्त,  
मण्डी, जिला मण्डी (हि0 प्र0)।

कार्यालय जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत), शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

शिमला, 19 फरवरी, 2002

संख्या पी0 सी0 एच0 एस0 एम0 एल0 (उप0 नि0) 2001-2-633-36.—यह कि जिला शिमला के विकास खण्ड रामपुर की ग्राम पंचायत लालसा के सदस्य ग्राम पंचायत लालसा वार्ड नं0 4 जो सामान्य निर्वाचन 2000 में निर्वाचित घोषित हुए थे, ने अपने पद से धरेलु परिस्थितियों के कारण त्याग-पत्र दे दिया है। जिसे खण्ड विकास अधिकारी रामपुर के माध्यम से इस कार्यालय को भेजा गया है। खण्ड विकास अधिकारी रामपुर ने इड त्याग-पत्र को स्वीकृत करने की सिफारिश की है।

अतः मैं, सत्य पाल, जिला पंचायत अधिकारी, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की धारा 130 (1) तथा पंचायती राज (सामान्य) नियम के नियम 135 के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त पदाधिकारी के त्याग-पत्र को स्वीकृत करता हूँ।

सत्य पाल,  
जिला पंचायत अधिकारी,  
शिमला, जिला शिमला (हि0 प्र0)।

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

सोलन, 1 फरवरी, 2002

संख्या सोलन-3-92 (पंच)/92-1181-85.—यतः खण्ड विकास अधिकारी कण्डाघाट ने उनके पत्र संख्या के0 जी0 बी0-पंच/2/2002 (ममलीग)-457, दिनांक 1-2-2002 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया

है कि उनके विकास खण्ड से ग्राम पंचायत ममलीग के वार्ड नं० 6 के वार्ड सदस्य श्री नन्द लाल शर्मा ने अधिक आयु व अस्वस्थता के कारण अपने पद से त्याग-पत्र दिया है जिसे उन्होंने 1-2-2002 से स्वीकृत करने की सिफारिश की है।

अतः मैं, जोगिन्द्र कुमार शर्मा, जिला पंचायत अधिकारी, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130(1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 135 के अन्तर्गत विहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त विकास खण्ड की पंचायत के पदाधिकारी के त्याग-पत्र को उपरोक्त दशार्द्ध तिथि से स्वीकार करता हूँ।

जोगिन्द्र कुमार शर्मा,  
जिला पंचायत अधिकारी, सोलन,  
जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश।

**OFFICE OF THE DEPUTY COMMISSIONER  
SOLAN, DISTRICT SOLAN, HIMACHAL PRADESH**

**ORDERS**

*Solan, the 16th February, 2002*

**No. SLN-4-22 (Panch)/76/1297/1301.**—Whereas a Show Cause Notice was served upon Sh. Nanak Singh, Up-Pradhan, Gram Panchayat Dharampur *vide* order No. SLN-4-22 (Panch)/76, dated 8th October, 2001 for submitting his version/explanation before the undersigned with regard to mis-appropriation of Rs. 11,073/- and subsequently framing of charges in the case No. 1-S-7/99 u/s 409/420/467/468/471/120-B of IPC and 13(2) of the Prevention of Corruption Act, 1988.

And whereas the reply to the Show Cause Notice was received on 19-10-2001 which was thoroughly examined by the undersigned and the reply was found unsatisfactory keeping in view the proceeding of the Ld. Court, Solan which fulfill the requirement of section 145(1) (a) of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994. This case relates to criminal offences as well as breach of trust. Therefore, it would be appropriate to debar such delinquent office bearer from taking part in the democratic system so that transparency could be brought in the functioning of the PRIs.

Therefore, I, K. Sanjay Murthy, IAS, Deputy Commissioner, Solan, in exercise of the powers vested in me under section 145(1)(a) of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994 read with rule 142 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Rules, 1997 hereby place Sh. Nanak Chand, Up-Pradhan, G. P. Dharampur, District Solan under suspension with immediate effect. He is directed to handover his charge to the concerned Gram Panchayat Avam Vikas Adhikari.

*Solan, the 16th February, 2002*

**No. SLN-4-22 (Panch)/76-1302-7.**—Whereas a Show Cause Notice was served upon Shrimati Asha Devi, Member, w/o Shri Hari Ram, Gram Panchayat Dharampur *vide* Order, No. SLN-4-22 (Panch)/76, dated 8th October, 2001 for submitting his version/explanation before the undersigned with regard to misappropriation of Rs. 11,073/- and subsequently

framing of charges in the case No. 1-S-7/99 u/s 409/420/467/468/471/120-B of IPC and 13(2) of the Prevention of Corruption Act, 1988.

And whereas the reply to the Show Cause Notice was received on 19-10-2001 which was thoroughly examined by the undersigned and the reply was found unsatisfactory keeping in view the proceeding of the Ld. Court, Solan which fulfill the requirement of section 145(1)(a) of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994. This case relates to criminal offences as well as breach of trust. Therefore, it would be appropriate to debar such delinquent office bearer from taking part in the democratic system so that transparency could be brought in functioning of the PRIs.

Therefore I, K. Sanjay Murthy, IAS, Deputy Commissioner, Solan, in exercise of the powers vested in me under section 145(1)(a) of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Act, 1994 read with rule 142 of the Himachal Pradesh Panchayati Raj Rules, 1997 hereby place, Shrimati Asha Devi, Member, G. P. Dharampur, District Solan under suspension with immediate effect. She is directed to handover his charge to the concerned Gram Panchayat Avam Vikas Adhikari.

K. SANJAY MURTHY,  
Deputy Commissioner,  
Solan, District Solan (H. P.).

कार्यालय जिला पंचायत अधिकारी, सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

सोलन-173212, 20 फरवरी, 2002

सं० सोलन 3-92 (पंच)/92-1367-72.—यतः खण्ड विकास अधिकारी, धर्मपुर ने उनके पत्र सं० डी०बी०डी० (पंच) निर्वाचन 2002/2003-2611, दिनांक 1-2-2002 द्वारा इस कार्यालय को सूचित किया है कि उनके विकास खण्ड से ग्राम पंचायत टकसाल के वार्ड नं० 5 के वार्ड सदस्य श्री अमर नाथ ने घरेलू परिस्थिति के कारण अपने पद से दिनांक 31-10-2001 से त्याग-पत्र दिया है जिसे उन्होंने स्वीकृत करने की सिफारिश की है।

अतः मैं, जोगिन्द्र कुमार शर्मा, जिला पंचायत अधिकारी, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 130(1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम 1997 के नियम 135 के अन्तर्गत विहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए उपरोक्त विकास खण्ड की पंचायत के पदाधिकारी के त्याग-पत्र को उपरोक्त दशादि गई तिथि से स्वीकार करता हूँ।

जोगिन्द्र कुमार शर्मा,  
जिला पंचायत अधिकारी,  
सोलन, जिला सोलन, हिमाचल प्रदेश।

